


न्यायालय सहायक क्लर्क कली जयपुर 5

अर्क 183/2024 नैराम बनाय रामलाल

क्र. सं.	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विरत रंग सं.	विशेष विवरण
	19/09/24	<p>पत्रावली माननीय न्यायालय राजस्थान अपील प्राधिकारी जयपुर के पत्रांक आरएए/2024/10719 दिनांक 28/08/24 द्वारा अपील अपीलार्थी विद्वां किये जाने से खारिज होने पर प्राप्त हुई।</p> <p>पत्रावली दर्ज रजिस्टर में उभयपक्षों की जरूरत अदातनी समन सूचित किया जाकर पत्रावली दिनांक 23/09/24 को पेश हुई।</p>	
	23/09/24	<p>पत्रावली पेश हुई। वकील प्रार्थी उपस्थित प्रार्थी/वादी ने प्रार्थना पत्र बाबत विद्वां किये जाने बाद पत्र मध्य शपथ पत्र पेश कर वाद विद्वां कर खारिज फजाये हेतु निवेदन किया एवं आदेशिका पर हस्ताक्षर किये जिसकी पहचान प्रार्थी/वादी के अभियन्ता श्री गिरिज प्रजापत द्वारा की गई।</p> <p>प्रार्थी/वादी की प्रार्थना पत्र बाबत विद्वां किये जाने बाद पत्र पर सुना गया।</p> <p>पत्रावली पर उपलब्ध रिकॉर्ड का अवलोकन करते एवं प्रार्थी की प्रार्थना पत्र पर सुनने के उपरीत पक्षकारों के मध्य समसाक्षर से रानीनामा हो जाने के कारण न्यायद्वि को द्धान में रखने हुए प्रार्थी/वादी का प्रार्थना पत्र बाबत विद्वां किये जावे</p>	<p>नैराम प्रार्थी</p> <p>Id. by</p> <p></p> <p>23/9/24</p>

# फर्द अहकाम

न्यायालय \_\_\_\_\_

बनाम \_\_\_\_\_

मुकदमा संख्या / वर्ष \_\_\_\_\_

/20 \_\_\_\_\_

क्र. सं.	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से
		<p>वादपत्र स्वीकार किया जाकर वादपत्र को विद्धो दिये जाने की अनुमति प्रदान की जाती है अतः वादपत्र विद्धो स्वीकार होने से वादी का वाद खारिज किया जाता है।</p> <p>पत्रावनी कैसल शुमार होकर वाद तकमील दाखिल दफ्तर होकर नम्बर से मग ही।</p>